सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२६-२०२७

कक्षा:पाँचवीं **विषय: हिंदी** **अनुच्छेद लेखन:**

संगति का महत्त्व

व्यक्ति के जीवन में संगति का विशेष महत्व है। वह जिस संगति में उठता-बैठता है, वैसा ही हो जाता है। यदि व्यक्ति साधुओं के साथ रहेगा तो साधु हो जाएगा और यदि वह चोरों की संगति में है तो उसका चोर बन जाना स्वाभाविक है,अर्थात गुण-अवगुण व्यक्ति को उसकी संगति से प्राप्त होते हैं। हमारे मित्र जैसे होंगे हमारे ऊपर वैसा ही प्रभाव पड़ेगा। यदि हमारे मित्र पढ़ाई-लिखाई में रुचि रखते हैं और इसके प्रति जागरुक हैं, तो इसका प्रभाव हमारे ऊपर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। पढ़ाई-लिखाई में हमारी भी रुचि जगेगी और हम भी खूब पढ़ाई करेंगे। दूसरी ओर यदि हमारे मित्र मौज-मस्ती करने वाले, घुमक्कड़ तथा विलासी होंगे तो हम भी वैसे हो जाएँगे। उनकी संगति से उत्पन्न इस कुप्रवृति से हमारा वर्तमान तथा भविष्य दोनों चौपट हो जाएँगे। अतः हमें ऐसे मित्रों से हमेशा दूर रहना चाहिए। हमें अच्छे मित्रों की तलाश करनी चाहिए और उनकी संगति में रहना चाहिए। अच्छे मित्रों की संगति ही हमें सफलता के पथ पर आगे ले जा सकती है।